मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 244 ■ गुरुवार 25 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

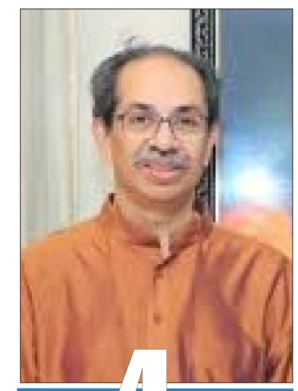

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

**20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन**

# महायुति की लंबित घोषणा ने बिगाड़ा चुनावी खेल

- चुनाव में 20 दिन शेष, उम्मीदवारों की बेचैनी बढ़ी
- चुनावी माहौल ठंडे बस्ते में
- शिंदे ने बुलाई अपने सहयोगियों की बैठक
- पूर्व नगरसेवकों को ही मिलेगा मौका

**उल्हासनगर।** उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव आगामी 15 जनवरी को होने जा रहा है। चुनाव में अब केवल 20 दिन ही शेष हैं ऐसे में किसी भी पक्ष के उम्मीदवारों की घोषणा न होने से चुनावी माहौल पूरी तरह ठंडा देखने को मिल रहा है। महायुति की आपसी बैठकों का दौर तक शुरू नहीं हुआ है। लेकिन खबर मिली है कि सांसद श्रीकांत शिंदे ने अपने ठाणे निवासस्थान पर अपने सहयोगी टीओके व साई पक्ष से बैठक की है और उन्हें शिवसेना चिन्ह पर चुनाव लड़ने को कहा है और यह भी कहा है कि पूर्व नगरसेवकों को ही टिकट दिया जाएं। लेकिन टीओके व साई पक्ष को मंजूर नहीं है ऐसा सूत्रों ने बताया है। वहीं महायुति की चुनावी गठबंधन की घोषणा ने पूरा चुनावी खेल बिगाड़ दिया है। कई नेताओं का भविष्य युति की घोषणा पर निर्भर हैं।

**■ उबाठा-मनसे साथ-साथ**

राज्यस्तरीय घोषणा के बाद अब उल्हासनगर मनपा चुनाव में शिवसेना उबाठा व मनसे ने युति की घोषणा कर दी है। शहर में उबाठा मनसे अपने उम्मीदवार उतारेगी। चुनाव में यह पहली युति की घोषणा है।

## भाजपा में बगावत शुरू

मनपा चुनाव में भाजपा द्वारा युवाओं को टिकट न देने पर अब पक्ष में बगावत शुरू हो गई है। युवा नेताओं का आरोप है कि चुनाव में टिकट के लिए पक्ष प्रवेश हो रहा है जिससे पक्ष युवाओं को नजरअंदाज कर रही है। पैनल 1, 2, 5, 6, 8, 9, 11, 15 आदि पैनलों में पूर्व नगरसेवकों अथवा अन्य पक्ष से आए नेताओं को टिकट दे रही है। जिस कारण युवा व नए चेहरे जिनसे साक्षात्कार लिए गए हैं उन्हें टिकट न देने की बात कही जा रही है। अब यह बागी युवा नेता अन्य पक्ष की शरण में जा रहे हैं और भाजपा के समक्ष चुनाव लड़ेंगे।

## अब तक 882 नामांकन पत्र बिके

नामांकन पत्र भरने के दूसरे दिन भी किसी उम्मीदवार ने फॉर्म नहीं भरा है लेकिन आज भी 441 नामांकन पत्र लिए गए हैं। अब तक कुल 882 नामांकन पत्र इच्छुक उम्मीदवारों ने लिए हैं। ज्ञात हो कि नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर को है। विभिन्न पक्ष के उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरने के लिए वकीलों का चयन किया है। इस बार सभी नामांकन पत्र आफलाईन भरे जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में नामांकन रद्द होने की संभावना ज्यादा है इसलिए एक उम्मीदवार एक से अधिक नामांकन फॉर्म भर सकता है।

---

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

# पैनल-4 में शिवसेना को टक्कर देने उतरेंगे विरोधी पक्ष

**■ खराब सड़कें, पानी की किल्लत मुख्य समस्या**

| पैनल 4 | |
|---|---|
| कुल मतदाता | 18,975 |
| पुरुष मतदाता | 9,983 |
| महिला मतदाता | 8,993 |

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-1 स्थित इस पैनल में इंदिरा गांधी नगर, आंबेडकर नगर, रेणुका नगर, रामकिशन करौतिया नगर, सचदेव नगर, प्रबुद्ध नगर, गौतम नगर, सोनू केबल, पोस्ट आफीस परिसर, साईनाथ चाल, सी ब्लॉक परिसर, महात्मा फुले नगर, गवली पाडा, जय अंबे माता मंदिर, शहाड फाटक परिसर, शांतिनगर दगडी चाल, ब्राह्मण पाडा, विठ्ठल मंदिर, कुलकर्णी चाल, न्यू सिंधी बिल्डिंग, मारुति चाल, पंचशील नगर, सानप पाडा, गावडे स्कूल परिसर, मधुबन व चोपड़ा कोर्ट रोड, पूनम सोसायटी, त्रिमूर्ति बिल्डिंग, शिवसेना शाखा आदि का चार वार्डों में समावेश हैं जिसमें आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ) स्वप्निल बागुल-शिवसेना ब) सुरेखा आव्हाड-शिवसेना क) अंजना म्हस्के-शिवसेना ड) कुलवंतसिंग सोहटा - शिवसेना नगरसेवक रह चुके हैं। अब नए आरक्षण में यहां अनुसूचित जाति, ओबीसी महिला, जनरल महिला व जनरल तय हुआ है। इस पैनल में सिंधी व मराठी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल पर शिवसेना का कब्जा है। शिवसेना ने यहां काम नहीं करने के कारण यहां पर युवा उम्मीदवारों ने अपनी कार्यक्षमता दिखाने के लिए मैदान में उतरे हैं। यहां से भाजपा, मनसे, राकांपा व आरपीआय के इच्छुक उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। स्थानीय जनता अब यहां नए नेता की उम्मीद में है।

---

# धनंजय बोडारे भाजपा में शामिल

**उल्हासनगर.** शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) गुट को एक बड़ा झटका लगा है। उबाठा जिल्हाप्रमुख धनंजय बोडारे ने वसुंधरा बोराडे, शीतलताई बोडारे, टीओके कार्यकर्ता नाना बिराडे सहित अपने कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया है।

यह प्रवेश मुंबई स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में हुआ। प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने धनंजय बोडारे का भाजपा में स्वागत किया। इस अवसर पर उल्हासनगर के शहर जिला अध्यक्ष राजेश वधरिया व प्रदीप रामचंदानी भी उपस्थित थे। भाजपा में शामिल होते समय धनंजय बोडारे ने कहा, "मैं हिंदुत्ववादी हूं, इसलिए हिंदुत्व की विचारधारा वाली पार्टी भाजपा में आया हूं।"

भाजपा नेतृत्व ने उनके प्रवेश को संगठन के लिए मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि इससे जिले में पार्टी की ताकत और बढ़ेगी। ज्ञात हो कि पैनल 15 में बोडारे परिवार का वर्चस्व है और इसी वर्चस्व को कायम रखने के लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है।

## भिवंडी में आचार संहिता दस्ते ने कार से किया 8.28 लाख जब्त

**भिवंडी.** मनपा चुनाव के मद्देनजर, आचार संहिता टीमों ने शहर की मुख्य सड़कों पर निरीक्षण टीमों के माध्यम से शहर में आने वाले वाहनों की जाँच शुरू कर दी है. नदी नाका पर तैनात टीम ने एक वाहन से 8 लाख 28 हजार रुपये नकद जब्त किए.

आचार संहिता टीम वाहनों की जाँच कर रहे थे. इसी दौरान भिवंडी की ओर आ रही एक कार (नंबर MH 48 DD 9324) की जाँच की और उसमें 8 लाख 28 हजार 900 रुपये नकद पाए.कार चालक चेतन किशन मित्तल से राशि के बारे में पूछताछ करने पर,कोई संतोषजनक जवाब या वैध दस्तावेज नहीं दे सका.

## नपा चुनाव में 35 महिला एवं 25 पुरुष चुनकर आए

- 62% महिलाएं और केवल 38% पुरुष
- सरकारी चुनाव 50-50 का मजाक
- 5 महिलाएं पुरुष वार्ड से खड़े होकर जीती

⏭ यूसुफ शेख

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ नगर परिषद पर महिलाओं का राज हो गया है. नगराध्यक्ष को जोड़कर कुल 60 उम्मीदवार नपा में चुनकर आए हैं, जिसमें 35 महिलाएं हैं, तो पुरुष 25 है. 62% महिलाएं एवं 38% पुरुष नपा सभागृह में होंगे. ऐसे लग रहा है जैसे पुरुषों की आवाज दब सी गई है. ये प्रतिशत सरकारी टक्केवारी 50% और महिलाएं 50% का मजाक उड़ा रहा है. इसका एक बड़ा कारण ये है कि पुरुषों के प्रभाग में महिलाएं चुनाव में खड़ी हो सकती, लेकिन पुरुष महिलाओं के प्रभाग अथवा वार्ड से नहीं खड़ा हो सकता. इसका फायदा उठाते हुए कई वार्डों में पुरुषों के मुकाबले में महिलाएं खड़ी हो गई. अंबरनाथ नगर परिषद के 50% अपने आरक्षित वार्ड में महिलाएं तो थी ही लेकिन कई और वार्ड में वह पुरुषओं के मुकाबले में खड़ी होकर जीत गई. अंबरनाथ नपा के ऐसे पांच प्रभाग में हुआ है, जहां दोनों वार्ड में महिलाएं विजयी हुई है. प्रभाग क्र. 4 में भाजपा की मीना वालेकर, सिंह मीनू रविंद्र, प्रभाग क्र. 12 में मनिषा म्हात्रे कांग्रेस और जयशंकर धनलक्ष्मी, प्रभाग 18 में अमृता मोहरीरकर और शामला मलप्पा शिवसेना, प्रभाग 22 में अनिता प्रकाश भोईर, सुजाता भोईर भाजपा और प्रभाग क्र. 28 में मोनिका रिजंड, शिवसेना, पूनम पाटिल भाजपा विजयी हुई है.

60 में से कुल 34 महिलाएं एक नगराध्यक्षा कुल 35 और 25 पुरुष जीते हैं.

चर्चा इस बात की है कि अगर महिलाओं को 50% सीट दी गई है तो पुरुष वार्ड से चुनाव में खड़े होना ना दिया जाए. ये बड़ा अजीब कानून बनाया गया है, जिसमें महिलाओं को छूट देने के कारण उनका प्रतिशत नगर परिषद में बढ़ जाता है, जैसा कि अंबरनाथ नपा में हुआ है. यहां पर सभागृह में 62% महिलाएं होंगी और केवल 38% पुरुष.

# मनपा में महायुति का भगवा झंडा फहराएं : एकनाथ शिंदे

**उल्हासनगर.** 'हमें अपने काम का हिसाब लोगों के सामने रखना चाहिए और विकास के दम पर जीतना चाहिए!' यह साफ संदेश देते हुए शिवसेना पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उल्हासनगर मनपा चुनावों की धूम मचा दी। रविवार को हुई एक बड़ी कार्यकर्ता संवाद बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मिलकर उल्हासनगर मनपा में महायुति का भगवा झंडा फहराएं और कहा कि विकास, एकता और लोगों से सीधा संवाद ही जीत के मंत्र हैं।

उल्हासनगर मनपा चुनावों को लेकर शिवसेना शिंदे ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यकर्ता संवाद बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बहुत ही आक्रामक और प्रेरणा देने वाला भाषण दिया। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में लोगों ने विकास के कामों के दम पर हमें वोट दिया था, और उन्होंने साफ कहा कि अब नगर निगम में भी वही विकास दोहराया जाना चाहिए।

'कुछ लोग पार्टी को अपनी जागीर समझते थे और कार्यकर्ताओं के साथ नौकरों जैसा व्यवहार करते थे। एकनाथ शिंदे ने कहा, इसीलिए लोगों ने उन्हें हमेशा के लिए घर पर बिठा दिया। उन्होंने आगे कहा कि लोग उन्हीं नेताओं को चुनते हैं जो लोगों से मिलते-जुलते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और असल में काम करते हैं। इसलिए, उन्होंने हर शिव सैनिक से वार्ड, बस्ती और गली में जाकर लोगों से जुड़ने की अपील की।

# अंबरनाथ नाना पाटिल प्राइड शॉप में 42 करोड़ का आर्थिक व्यवहार

**■ सलमा सय्यद ने कइयों के नाम पर कंपनी खोलकर किया व्यवहार**

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ में सलमा सय्यद और उनके साथीदारों ने दो बैंकों में कइयों की नकली सही करके जलज्योति इंटरप्राइजेस के नाम से खाता खोलकर 42 करोड़ रुपयों का आर्थिक व्यवहार किया एवं कई व्यक्तियों के नाम पर अनेक कंपनियां खोलकर शासन का कर डूबा कर धोखाधड़ी की है. ऐसी शिकायत पुलिस में अंबरनाथ पश्चिम निवासी अमर सतीराम जैसवार (27) ने दर्ज कराया है. ये घटना 8 जुलाई 2024 से 23.12.2025 तक नाना पाटिल प्राइड कोहोजगांव शॉप नं. 1 एफ विंग सर्वे नं. 160/2, 162/पी, 166/08 के शॉप से की गई है. अंबरनाथ पुलिस उस दबंग व्यक्ति की तलाश कर रही है, जो सलमा को साथ में लेकर ये सब कर रहा था. जांच अभी चल रही है. अमर जैसवार के अनुसार आरोपी सलमा सय्यद और उसके साथियों ने उनके और अनेक व्यक्तियों को अच्छी तनख्वाह देकर नौकरी पर रखने का लालच देकर बैंक में खाता खोलने के लिए आधार कार्ड पैन कार्ड, फोटो व अन्य पहचान पत्र लेकर इन दस्तावेज का गलत इस्तेमाल करके नकली हस्ताक्षर करके अमर जैसवार के नाम पर जलज्योति इंटरप्राइजेस, नाना पाटिल प्राइड के एफ विंग के एक नंबर शॉप में कंपनी को खोला और कंपनी के नाम से एक्सिस बैंक में करंट एकाउंट खोलकर सात करोड़ 9 लाख रुपए और एचडीएफसी बैंक में भी करंट एकाउंट खोलकर 35 करोड़ 82 लाख रुपयों का आर्थिक व्यवहार किया. बड़े पैमाने पर आर्थिक व्यवहार करके शिकायतकर्ता एवं अन्य व्यक्तियों के नाम से अनेक कंपनियां खोलकर, व्यवहार करके मानसिक, सामाजिक प्रतिष्ठा मलीन करके शान का कर डुबा कर सलमा सय्यद एवं अन्य साथियों ने धोखा दिया है.

## सोशल मीडिया पर युवक से एक लाख की ठगी

**कल्याण.** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए अनजान लोगों से दोस्ती कर आर्थिक ठगी किए जाने का एक और मामला सामने आया है. कल्याण निवासी बंटू सिंह कथित तौर पर इस जाल में फंस गया, जिससे उसके खाते से लगभग एक लाख रुपये की रकम निकलवा ली गई. पीड़ित के अनुसार, सोशल मीडिया पर महिला प्रोफाइल से संपर्क बढ़ाया गया और धीरे-धीरे प्रेम संबंध का भरोसा दिलाया गया.

---

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

# पैनल-5 में नहीं हुआ विकास कार्य

**■ गोल मैदान परिसर की दयनीय हालत**

| पैनल 5 | |
|---|---|
| कुल मतदाता | 18,847 |
| पुरुष मतदाता | 9,593 |
| महिला मतदाता | 9,254 |

**उल्हासनगर।** उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

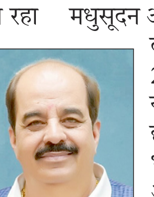

उल्हासनगर-1 व 2 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें पूरा गोल मैदान परिसर का समावेश है साथ ही चरणदास चौक, रेखा अपार्टमेंट, पोस्ट आफीस परिसर, साईनाथ कालोनी, ए ब्लाक, जनता कालोनी, हिरा मैरेज हॉल रोड, किशोर पैटीस, निरंकारी भवन, नाना नानी पार्क परिसर, 444 गार्डन, अमन टॉकीज परिसर, राहुल नगर, मधुसूदन आश्रम, बाबा सेवादास दरबार का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ) सोनू छापरू/राजू जग्यासी-भाजपा ब) मीना आयलानी -भाजपा क) गीता साधवानी -भाजपा ड) प्रकाश नाथानी -भाजपा के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह भाजपा का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी, जनरल महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल में विधायक कुमार आयलानी का वर्चस्व है।बावजूद इस परिसर में विकास कार्य नहीं हुआ है। अभी भी भाजपा इन्हीं उम्मीदवारों को ही टिकट दे रही है जबकि यहां पर नए व युवा चेहरों की डिमांड है। यहां पर शिवसेना व अन्य पार्टी के दमदार उम्मीदवार विधायक की नींद हराम करेंगे। क्योंकि गोल मैदान परिसर में असामाजिक तत्वों के आतंक से परिसर के लोग वर्तमान नगरसेवकों से नाराज हैं। यहां चुनाव में परिवर्तन की जरूरत है। ऐसा वार्डवासियों का कहना है।

# अंबरनाथ में बंधुआ मजदूरों की रिहाई

**■ स्पेशल टीम ने की कार्रवाई**

**अंबरनाथ.** 21वीं सदी में भी बंधुआ मजदूरी सिस्टम मौजूद होने की चौंकाने वाली सच्चाई अंबरनाथ में सामने आई है। ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के नेतृत्व में NALSA (नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) स्कीम के तहत ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की स्पेशल टीम द्वारा की गई कार्रवाई में, अंबरनाथ वेस्ट में मेसर्स शक्ति फूड इंडस्ट्रीज कंपनी में काम करने वाले 10 प्रवासियों को बंधुआ मजदूरी के चंगुल से सुरक्षित रूप से रिहा कराया गया है. यह जानकारी डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की स्पेशल टीम की सदस्य एड. तृप्ति पाटिल ने दी।

17 दिसंबर को, उत्तर प्रदेश के रहने वाले कमलेश फुन्नन बनवासी का मामला तब सामने आया जब एक बंधुआ मजदूर ने खुद को आजाद कर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी से संपर्क किया। जिलाधिकारी डा. पांचाल ने तुरन्त गम्भीरता से लेते हुए सभी सम्बन्धित विभागों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उनकी तत्परता के कारण राजस्व, पुलिस एवं श्रम विभाग से समन्वय कर तत्काल कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। उत्तर प्रदेश के भदोही, जौनपुर आदि जनपदों से 1. सिंटू विनोद बनवासी, उम्र 18 वर्ष 2. चन्दू हरि बनवासी, उम्र 40 वर्ष 3. संजय डॉक्टर बनवासी, उम्र 22 वर्ष 4. कल्लू बनवासी 5. सूरज बनवासी 6. संजय खिल्लारी बनवासी, उम्र 19 वर्ष 7. सुरेश बनवासी 8. सुकुद विजय 9. सुखी पन्ना 10. विजय कुमार श्रीराम को ठेकेदार निक्की उर्फ कृष्ण कुमार अग्रहरि एवं नितिन तिवारी ने अंबरनाथ पश्चिम में शक्ति फूड इंडस्ट्रीज कंपनी ने उन्हें एक अच्छी कंपनी में 18 से 20 हज़ार की नौकरी और रहने और खाने का इंतज़ाम करने का वादा किया था। लेकिन असल में, उन्हें बहुत ज़्यादा मेहनत, भूखे पेट काम करना, खाने का ठीक से इंतज़ाम न होना, मारपीट और मज़दूरी न मिलना जैसी अमानवीय स्थितियों का सामना करना पड़ता था। इन मज़दूरों को एक छोटे से कमरे में बंद करके रखा जाता था। रात में कमरे को बाहर से बंद कर दिया जाता था और सुबह उन्हें काम पर वापस ले जाया जाता था। उनके मोबाइल फ़ोन ज़ब्त कर लिए गए थे और उनके रिश्तेदारों से उनका संपर्क काट दिया गया था। जांच में पता चला कि यह सब सोच-समझकर और प्लान के साथ किया गया था।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

## नियम बड़े या इंसानियत ?

चिकित्सक को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है, क्योंकि वह अपने ज्ञान और कौशल से मरीजों का जीवन बचाने और उसे बेहतर बनाने का काम करता है। चिकित्सक के लिए मरीज के शारीरिक कष्ट का ही नहीं, बल्कि उसकी मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में चिकित्सक का व्यवहार और संवेदनशीलता कई मायनों में महत्वपूर्ण होती है। लेकिन कोई चिकित्सक अगर इलाज के दौरान आपा खोकर मरीज पर ही हमला कर दे, तो उसे क्या कहा जाएगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में सोमवार को ऐसा ही मामला सामने आया, जिसमें एक चिकित्सक ने मरीज के साथ बहस के बाद उसकी पिटाई कर दी। मामले ने तूल पकड़ा, तो अस्पताल प्रबंधन ने आरोपी चिकित्सक को निलंबित कर घटना की जांच शुरू कर दी। सवाल है कि अगर कोई मरीज असंतुलित व्यवहार भी करता है, तो क्या चिकित्सक का इस कदर आक्रामक होना उचित है? क्या उसका यह दायित्व नहीं है कि वह मरीज की मनोदशा समझकर संवेदनशील और संयमित तरीके से प्रतिक्रिया दे? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के अभाव का संकट बढ़ता जा रहा है, जिस कारण काम का दबाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में कई बार चिकित्सकों का व्यवहार सख्त हो सकता है, लेकिन उनसे मरीज के साथ मारपीट करने जैसी हरकत की अपेक्षा नहीं की जा सकती। शिमला के अस्पताल में जिस मरीज के साथ मारपीट की गई, वह फेफड़ों में तकलीफ की शिकायत लेकर वहां आया था। जांच के बाद सांस लेने में दिक्कत होने पर उसे अस्पताल में ही कुछ समय के लिए आराम करने की सलाह दी गई। इसके बाद वह एक वार्ड में खाली पड़े बिस्तर पर लेट गया और इसी को लेकर चिकित्सक के साथ उसकी बहस हो गई।

सवाल है कि अगर कोई मरीज भर्ती हुए बिना अस्पताल के खाली पड़े बिस्तर पर कुछ देर आराम कर ले, तो उस पर किसी चिकित्सक को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? चिकित्सक का प्राथमिक दायित्व मरीज के प्रति संवेदनशील होना और उसे राहत देने का होना चाहिए या नियम की दुहाई देकर उसे प्रताड़ित करने का? चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

# विचार : बड़े खतरे के सामने बांग्लादेशी हिंदू

बांग्लादेश के मैमन सिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या जिस बर्बर तरीके से की गई, वह इकलौती ऐसी घटना नहीं, जो इस देश में हिंदुओं की दुर्दशा और उनके समक्ष उभर रहे खतरे को दिखाती हो। वे लगातार खतरे में रहे हैं और आगे यह बढ़ता हुआ ही दिख रहा है। ऐसा नहीं है कि पिछले वर्ष अगस्त में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद ही वहां के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर आफत टूट पड़ी। सच यह है कि भारत विभाजन के बाद से ही पाकिस्तान और फिर बांग्लादेश के हिंदू कभी चैन से नहीं रह पाए। भारत विभाजन के समय पूर्वी पाकिस्तान यानी आज के बांग्लादेश में हिंदुओं और विशेष रूप से दलित हिंदुओं की संख्या अधिक थी और इसका कारण दलित नेता जोगेंद्र नाथ मंडल थे।

उन्होंने यह मानकर जिन्ना की मुस्लिम लीग का साथ दिया कि नए बने देश में दलित ज्यादा सुरक्षित और अधिकार संपन्न होंगे। उनका पूर्वी पाकिस्तान में अधिक प्रभाव था। मंडल पाकिस्तान के कानून मंत्री तो बने, लेकिन जिन्ना के निधन के साथ ही उनकी घोर उपेक्षा और हिंदुओं की प्रताड़ना का सिलसिला कायम हो गया। मंडल तो इस्तीफा देकर चुपचाप कलकत्ता लौट आए, लेकिन उनके आश्वासन के चलते वहीं रह गए हिंदू ठगे रह गए। हिंदुओं की प्रताड़ना पाकिस्तान के दोनों हिस्सों में होती रही। पूर्वी पाकिस्तान के हिंदुओं के भागकर भारत आने का जो सिलसिला कायम हुआ, वह कभी थमा नहीं। जब पूर्वी पाकिस्तान अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, तब वहां से पलायन कर भारत आने वाली अधिकांश आबादी हिंदुओं की ही थी।

पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश बनने के बाद हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों ने चैन की सांस ली, लेकिन इस नए बने देश में भी उनकी प्रताड़ना कम नहीं हुई। कट्टरपंथी तत्व जब-तब उन्हें निशाना बनाते रहते। इसमें एक भूमिका शत्रु संपत्ति कानून की भी रही। इस कानून की आड़ में अल्पसंख्यकों की जमीनों पर कब्जा करना आसान था। यह कानून पाकिस्तान ने बनाया था, लेकिन बांग्लादेश बनने के बाद भी वह अस्तित्व में रहा। इस कानून के कारण हिंदुओं और बौद्धों की लाखों एकड़ भूमि कब्जाई जा चुकी है। अराजक तत्व फर्जी कागजों के जरिये उनकी संपत्ति को शत्रु संपत्ति बताकर उस पर कब्जा कर लेते हैं। अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से हिंदुओं की जमीनों से जुड़े लाखों मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। हालांकि शेख हसीना सरकार ने इस कानून में संशोधन किए, लेकिन वे अपर्याप्त साबित हुए। माना जाता है कि शेख हसीना की सरकार में हिंदू एवं अन्य अल्पसंख्यक अपने को सुरक्षित पाते थे, लेकिन यह एक हद तक ही सही है।

उनके शासनकाल में भी हिंदुओं का उत्पीड़न होता था। इतना अवश्य है कि खालिदा जिया शासन के मुकाबले कुछ कम होता था। इस कारण वहां से हिंदुओं का पलायन कभी थमा ही नहीं। समर्थ हिंदू विदेश जाते रहे और गरीब भारत भाग आते रहे। शेख हसीना अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने वाले जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को सख्त जिहादी तत्वों को काबू में रखती थीं। उनकी सरकार के तख्तापलट बाद ऐसे तत्व वहां बेकाबू हैं और इसीलिए पिछले 16 महीनों से वहां उनका दमन बढ़ गया है। तख्तापलट के बाद बनी छात्रों की नई पार्टी एनसीपी और इंकलाब मंच जैसे राजनीतिक समूहों की विचारधारा जमाते इस्लामी के निकट ही है। पिछले दिनों मारा गया छात्र नेता उस्मान हादी इंकलाब मंच का ही था। वह कट्टर भारत विरोधी था।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात वैसे ही खतरनाक दिख रहे हैं, जैसे शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद दिख रहे थे। उस दौरान हिंदुओं पर जमकर हमले हुए थे। उनके घरों, दुकानों के साथ मंदिरों को भी निशाना बनाया गया था। उस समय भी अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनुस ने अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए आश्वासन दिए थे और इस समय भी दे रहे हैं, लेकिन वे खोखले ही साबित हो रहे हैं। यह सही है कि बांग्लादेश फिलहाल पाकिस्तान जैसा नहीं है, लेकिन अब उसके उस जैसा ही हो जाने की आशंका है, क्योंकि एक तो फरवरी में चुनाव के साथ संविधान में बदलाव को लेकर भी जनमत संग्रह होना है और दूसरे ऐसे तत्व मुखर हो रहे हैं, जो बांग्लादेश को पूरी तरह इस्लामी देश बनाना चाहते हैं। कुछ तो शरीयत लागू करने की मांग कर रहे हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

बिना-शर्त प्रेम सभी को स्वीकार करता है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

# घिसे-पिटे आरोप, राहुल गांधी के पास नया कहने को कुछ नहीं

राहुल गांधी ने जिस तरह बर्लिन में वही सब बातें कहीं, जो वे पहले न जाने कितनी बार कह चुके हैं, उससे यही स्पष्ट होता है कि उनके पास कहने के लिए कुछ नया नहीं रह गया है। वे इस समस्या से लंबे समय से ग्रस्त हैं। ऐसा नहीं है कि ऐसे मुद्दों का अभाव है, जिनका उल्लेख कर जनता का ध्यान आकर्षित न किया जा सके, लेकिन राहुल गांधी जमीनी विषयों की अनदेखी कर सनसनी पैदा करने वाले ऐसे मुद्दों की ही तलाश में रहते हैं, जिनका सार यह होता है कि भाजपा अनुचित तरीके से सत्ता पा गई है।

चौकीदार चोर है से लेकर वोट चोरी और संविधान से लेकर संस्थाओं तक के खतरे में होने की उनकी बार-बार दोहराई जाने वाली बातें यही बताती हैं कि वे न तो कुछ नया सोच पा रहे हैं और न ही जनता की नब्ज पर हाथ रख पा रहे हैं। यह केवल उनकी ही नहीं, उनके आसपास रहने वाले नेताओं के सीमित और संकुचित चिंतन को भी बयान करता है।

राहुल गांधी की मानें तो कांग्रेस ने तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा और महाराष्ट्र के भी

चुनाव जीते थे, लेकिन वोट चोरी के चलते बाद के दो राज्यों में भाजपा सत्ता में आ गई। उन्हें उन लोकसभा चुनाव के नतीजों पर भी अविश्वास है, जिसमें भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं पा सकी थी और कांग्रेस की ओर से 99 सीटें हासिल करने के कारण वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बने।

राहुल गांधी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को भी वोट चोरी का पर्याय बता रहे हैं। बिहार में इस प्रक्रिया के दौरान उन्होंने वोट चोरी के अपने जुमले को खूब उछाला और यहां तक कि वहां वोटर अधिकार यात्रा तक निकाली, लेकिन चुनाव आते-आते जनता के लिए यह कोई मुद्दा ही नहीं रहा। नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस को भी बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा और सहयोगी दल राजद को भी।

बिहार के जनादेश ने यह साफ रेखांकित किया था कि मतदाताओं को वोट चोरी के आरोप में कोई दम नहीं दिखा, लेकिन राहुल गांधी इस मुद्दे को छोड़ने को तैयार नहीं। यह मुद्दा जनता की अदालत के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी ठहर नहीं सका, लेकिन किन्हीं कारणों से राहुल गांधी दीवार पर लिखी इबारत पढ़ने को तैयार नहीं। वे वोट चोरी के अपने आरोप के पक्ष में पुष्ट प्रमाण होने का दावा करते हैं, लेकिन अदालत भी नहीं जाते।

इसी तरह वोटर लिस्ट में कमियों की शिकायत करते हैं, लेकिन एसआइआर भी नहीं होने देना चाहते। वे अपनी और कांग्रेस की नाकामी की खीझ चुनाव आयोग समेत अन्य संस्थाओं पर निकाल रहे हैं। क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को देश के बाद विदेश में भी बदनाम करने का काम नेता प्रतिपक्ष करे?

# क्रिसमस पर चर्च में शराब चढ़ाने की अनोखी परंपरा

**जरा हट के**

हर साल 25 दिसंबर को दुनियाभर में क्रिसमस का पर्व बड़े ही उल्लास, श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है. यह दिन ईसाई धर्म के संस्थापक प्रभु यीशु मसीह (ईसा मसीह) के जन्म का प्रतीक माना जाता है. इस खास मौके पर चर्चों को सजाया जाता है, प्रार्थनाएं होती हैं, भजन गाए जाते हैं और चर्च में शराब चढ़ाई जाती है, जिसे लेकर कई लोगों के मन में सवाल उठता है- आखिर क्रिसमस में ऐसा क्यों किया जाता है? यह परंपरा सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि इसके पीछे ईसाई धर्म का गहरा ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अर्थ छिपा हुआ है.

बता दें कि, क्रिसमस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह प्रभु यीशु के जीवन, उनके उपदेशों और मानवता के लिए दिए गए बलिदान को याद करने का अवसर भी है. ईसाई मान्यताओं के अनुसार, यीशु मसीह का जन्म मानव जाति को

पापों से मुक्ति और प्रेम, क्षमा तथा करुणा का संदेश देने के लिए हुआ था. इसी वजह से इस दिन चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं होती हैं.

ईसाई धर्म में शराब चढ़ाने की परंपरा का उल्लेख बाइबल में मिलता है. इसे प्रभु यीशु के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जोड़ा जाता है, जिसे 'अंतिम भोज' कहा जाता है. ईसा मसीह ने अपने क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले अपने शिष्यों के साथ अंतिम बार भोजन किया था. इसी भोज के दौरान उन्होंने अपने अनुयायियों को रोटी और शराब दी. यीशु ने रोटी को अपने शरीर और शराब को अपने रक्त का प्रतीक बताया. उन्होंने यह संदेश दिया कि उनका बलिदान मानवता के पापों के प्रायश्चित के लिए होगा. यही घटना आगे चलकर ईसाई धर्म की एक केंद्रीय धार्मिक परंपरा बन गई.

चर्च में शराब और रोटी चढ़ाने की परंपरा को 'यूखारिस्ट' या 'पवित्र भोज' कहा जाता है. इस धार्मिक अनुष्ठान में रोटी और शराब को प्रतीकात्मक रूप से यीशु मसीह के शरीर और रक्त के रूप में स्वीकार किया जाता है. क्रिसमस के दिन इस परंपरा का और भी ज्यादा महत्व इसलिए होता है क्योंकि यह प्रभु यीशु के जन्म और उनके बलिदान दोनों को एक साथ याद करने का अवसर देता है.

# वेजिटेबल उत्तपम

**सामग्री :**

- सूजी: 1 कप (बारीक या मोटी कोई भी चलेगी)
- दही: 1/2 कप (दही ताजा हो या हल्का खट्टा, दोनों चलेगा)
- पानी: जरूरत के अनुसार (घोल बनाने के लिए)
- नमक: स्वादानुसार
- बेकिंग सोडा: 1 चुटकी
- प्याज: 1 (बारीक कटा हुआ)
- टमाटर: 1 (बारीक कटा हुआ)
- शिमला मिर्च: 1 छोटी (बारीक कटी हुई)
- गाजर: 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस की हुई - यह ऑप्शनल है)
- हरी मिर्च: 1-2 (बारीक कटी हुई, तीखेपन के हिसाब से)
- हरा धनिया: थोड़ा-सा (बारीक कटा हुआ)
- तेल या घी: उत्तपम को तवे पर सेकने के लिए।
- राई: तड़के के लिए (ऑप्शनल)

**विधि :**

सबसे आसान तरीका है सूजी का इस्तेमाल करना। एक बाउल में सूजी लें और उसमें ताजा दही मिलाएं। दही ही वो चीज है जो उत्तपम को अंदर से जालीदार और मुलायम बनाती है। इस घोल में

थोड़ा पानी मिलाकर इसे 15 से 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। यह 'रेस्टिंग टाइम' बहुत जरूरी है क्योंकि सूजी पानी सोखती है और फूलती है।

जब सूजी फूल जाए, तो उसमें नमक और चुटकी भर बेकिंग सोडा या फ्रूट सॉल्ट मिलाएं- यही वो स्टेप है जो इसे स्पंजी बनाएगा। अब तवे को गर्म करें और उस पर बैटर डालें। ध्यान रहे, इसे डोसे की तरह पतला न फैलाएं, इसे थोड़ा मोटा ही रखें।

अब इसके ऊपर अपनी मनपसंद बारीक कटी सब्जियां जैसे प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, गाजर और हरी मिर्च डालें। सब्जियों को हल्के हाथ से बैटर में दबा दें। इसे मध्यम आंच पर पकाएं और किनारों पर हल्का सा तेल या घी डालें। जब यह नीचे से सुनहरा हो जाए, तो पलट दें। इसके बाद, गरमा-गरम उत्तपम को नारियल की चटनी या सांबर के साथ परोसें। यह न केवल पेट भरता है बल्कि आपको दिन भर के लिए एनर्जी भी देता है।

# क्या 35 की उम्र पार करते ही ढलने लगती है जवानी?

## वैज्ञानिकों ने खोला शरीर का एक बड़ा राज

स्वीडन के वैज्ञानिकों ने करीब 47 साल तक चले एक ऐतिहासिक अध्ययन के बाद एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस रिसर्च ने उस सटीक उम्र का पता लगा लिया है जब इंसान का शरीर अपनी क्षमता के 'चरम' पर होता है (Cellular Aging) और कब उसमें गिरावट आनी शुरू हो जाती है। नतीजे थोड़े डराने वाले हो सकते हैं, लेकिन अच्छी खबर यह है कि इस गिरावट को रोकने की चाबी आपके ही हाथ में है (Longevity Secrets)। आइए जानते हैं, करोलिंस्का इंस्टीट्यूट की इस रिपोर्ट में आपकी फिटनेस को लेकर क्या बड़े दावे किए गए हैं।

**क्या** आपको लगता है कि आपकी शारीरिक ताकत और एनर्जी हमेशा एक जैसी बनी रहेगी या शायद आप सोचते हैं कि अभी तो आप जवान हैं, बुढ़ापा बहुत दूर है? अगर आपकी उम्र 35 साल के आसपास है, तो आपको थोड़ा सतर्क होने की जरूरत है।

### 35 की उम्र है अहम पड़ाव

करोलिंस्का इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक 47 साल लंबे अध्ययन से पता चला है कि इंसान की फिटनेस, ताकत और मांसपेशियों की सहनशक्ति 35 साल की उम्र में अपने पीक पर होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि 35 साल

की उम्र के बाद, चाहे आप कितना भी व्यायाम क्यों न करते हों, शारीरिक क्षमता में गिरावट आनी शुरू हो जाती है। शुरुआत में यह गिरावट धीमी होती है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ-साथ इसमें तेजी आने लगती है।

### कभी बेकार नहीं जाती एक्सरसाइज

अगर आप यह सोच रहे हैं कि 35 के बाद ताकत कम ही होनी है, तो एक्सरसाइज करने का क्या फायदा? तो रुकिये! रिसर्च में एक बहुत ही पॉजिटिव बात निकलकर सामने आई है। स्टडी के मुताबिक, एक्सरसाइज हमेशा फायदेमंद होती है। जिन लोगों ने वयस्क होने के बाद फिजिकली एक्टिव रहना शुरू किया, उनकी शारीरिक क्षमता में 5 से 10 प्रतिशत का सुधार देखा गया। इसका मतलब यह है कि एक्सरसाइज शुरू करने के लिए कभी भी देर नहीं होती है।

### क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

इस अध्ययन की लीड राइटर और 'डिपार्टमेंट ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन' की लेक्चरर, मारिया वेस्टरस्टाहल का कहना है: ₹फिजिकल एक्टिविटी शुरू करने के लिए कभी भी बहुत देर नहीं होती। हमारी स्टडी दिखाती है कि शारीरिक गतिविधि प्रदर्शन में गिरावट को पूरी तरह रोक तो नहीं सकती, लेकिन इसे धीमा जरूर कर सकती है। अब वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर 35 साल की उम्र में ही हम अपने पीक पर क्यों पहुंचते हैं और एक्सरसाइज गिरावट को पूरी तरह रोकने के बजाय केवल धीमा क्यों करती है।

## आज का राशिफल

**मेष** : मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट रहेगा।

**वृषभ** : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

**मिथुन** : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

**कर्क** : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

**सिंह** : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

**कन्या** : नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

**तुला** : धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

**वृश्चिक** : समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें।

**धनु** : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

**मकर** : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

**कुंभ** : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

**मीन** : दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# गुणों का खजाना है नारियल पानी

शरीर को हाइड्रेट रखना और अंदर से ठंडक पहुंचाना बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में नारियल पानी एक नेचुरल और न्यूट्रीशन से भरपूर ऑप्शन है, जो न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को आवश्यक मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट्स भी प्रदान करता है। ताजे हरे नारियल से प्राप्त यह ड्रिंक शरीर की कई जरूरतों को पूरा करते हैं। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। तो फिर देर किस बात कि आइए जानते हैं कि रोजाना नारियल पानी पीने से क्या-क्या लाभ होते हैं।

### शरीर को हाइड्रेट रखता है

नारियल पानी में पोटैशियम, सोडियम, मैग्नीशियम जैसे नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। गर्मियों में या वर्कआउट के बाद यह नेचुरल एनर्जी ड्रिंक की तरह काम करता है।

### डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर बनाए

इसमें पाए जाने वाले बायोएक्टिव एंजाइम्स पेट की समस्याओं जैसे गैस, अपच और एसिडिटी से राहत दिलाते हैं। सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और पाचन सुधरता है।

### ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करे

नारियल पानी में पोटैशियम अधिक मात्रा में होता है, जो ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है और हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

### वेट लॉस करने में सहायक

कम कैलोरी और जीरो फैट होने के कारण यह वजन घटाने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह पेट को भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती।

### स्किन और बालों को बनाए हेल्दी

इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण स्किन को डीटॉक्स करते हैं और नेचुरल ग्लो लाते हैं। साथ ही बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाते हैं और डैंड्रफ की समस्या में भी राहत देते हैं।

### किडनी और यूरिन को रखे स्वस्थ

नारियल पानी एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक है, जो शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। यह किडनी स्टोन बनने की संभावना को कम करता है और यूरीन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है।

### डायबिटीज में सुरक्षित और फायदेमंद

इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे यह ब्लड शुगर लेवल को तेजी से नहीं बढ़ाता। डायबिटीज पेशेंट्स भी सीमित मात्रा में इसका सेवन कर सकते हैं।

# अपनाएं ये रसोई टिप्स

## 20 दिन तक फ्रेश रहेगी अदरक

औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अदरक को सेहत का किंग भी कहा जाता है. हालांकि, इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह बहुत जल्दी गलने लगती है या सूखकर बेस्वाद हो जाती है. अधिकांश घरों में बाजार से लाई गई अदरक महज 7-8 दिन में ही खराब होने लगती है.

**अगर** आप चाहते हैं कि अदरक लंबे समय तक खराब न हो, तो खरीदारी के बाद उसकी सही छंटाई करना बेहद जरूरी है. अक्सर अदरक के बड़े टुकड़ों में कोई छोटा सा कोना गीला या पहले से सड़ा हुआ होता है. यदि इस खराब हिस्से को समय रहते काटकर अलग नहीं किया गया, तो यह संक्रमण पूरी अदरक में फैल जाता है और उसे सड़ा देता है. इसलिए अदरक को स्टोर करने से पहले उसे ध्यान से देखें और गलने वाले हिस्से को तुरंत हटा दें.

### पानी से नहीं, खुरदुरे कपड़े से करें सफाई

अदरक को साफ करते समय अक्सर लोग उसे पानी से धो देते हैं, जो सबसे बड़ी गलती साबित होती है. पानी के संपर्क में आने से अदरक में नमी (Moisture) बढ़ जाती है, जिससे फंगस लगने और सड़ने का खतरा दोगुना हो जाता है. सही तरीका यह है कि अदरक को किसी खुरदुरे सूती कपड़े या जूट के कपड़े से रगड़कर साफ करें. इससे अदरक की सतह पर लगी मिट्टी और गंदगी भी निकल जाएगी और वह सूखी भी रहेगी.

### सही कंटेनर और टिश्यू पेपर का जादू

अदरक को प्लास्टिक के एयरटाइट डिब्बों में बंद करके रखना उसे जल्दी खराब कर सकता है. इसे स्टोर करने के लिए एक साफ और सूखा कंटेनर लें और उसके तल में किचन टॉवल या टिश्यू पेपर की एक मोटी परत बिछा दें. यह परत अतिरिक्त नमी को सोख लेती है. अदरक रखने के बाद डिब्बे को ढक्कन से बंद करने के बजाय ऊपर से टिश्यू पेपर या मलमल के कपड़े से कवर करें. इससे अदरक को हल्की हवा मिलती रहती है और वह 15 से 20 दिन तक बिल्कुल वैसी ही फ्रेश बनी रहती है जैसी आप बाजार से लाए थे.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### यमुना एक्सप्रेसवे पर कोहरे का कहर; कई वाहन टकराए, 2 की मौत

यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को भीषण कोहरे के कारण हुए अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। जेवर कोतवाली क्षेत्र के खुर्जा अंडरपास के पास रोडवेज बस और बाइक की भिड़ंत में 26 वर्षीय रोहित की जान चली गई, जबकि उसका भाई घायल है। दूसरी घटना में सबौता कट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से गुंजन नामक महिला की मौत हो गई और उसका पति सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा दनकौर क्षेत्र में एक डबल डेकर बस भी हादसे का शिकार हुई जिसमें चालक-परिचालक सहित तीन लोग घायल हुए हैं।

### दूसरे धर्म के शिक्षक ने 5 साल तक किया युवती का शोषण, 4 दिन तक बंधक बनाकर रेप

**पीलीभीत.** यूपी के पीलीभीत में ब्रेनवॉश कर दूसरे समुदाय का एक शिक्षक पूर्व में पढ़ने वाली छात्रा को बहला-फुसला कर ले गया। उसको बंधक बनाकर पूरनपुर में एक किराये के कमरे में रखा गया। युवती किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर थाना माधोटांडा पहुंची और पुलिस को आपबीती सुनाई। छात्रा ने धर्मांतरण करने का दबाव बनाते हुए धार्मिक गतिविधियां भी कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। थाना माधोटांडा क्षेत्र के एक गांव की युवती 16 दिसंबर को घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने जानकारी न लगने पर दो दिन बाद माधोटांडा पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया था। छात्रा 21 दिसंबर को खुद ही थाना माधोटांडा पहुंची.

### डंपर की टक्कर से पलटा लोडर, केबिन में फंसे लोगों को बचाने की जगह टमाटर लूटते रहे राहगीर

**कानपुर.** यूपी के कानपुर में मंगलवार तड़के एक अमानवीय तस्वीर देखने को मिली। दरअसल, नौबस्ता क्षेत्र में श्यामनगर के पास एलिवेटेड हाईवे पर डंपर की टक्कर से डिवाइडर से टकराने के बाद टमाटर लदा लोडर पलट गया। जिससे लोडर मालिक और उसका साथी करीब एक घंटे तक केबिन में फंसे रहे और राहगीर टमाटर लूटने में लगे रहे। उधर, सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कटर से केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान लोगों ने दोनों के मोबाइल भी गायब कर दिए। गोंडा के कउड़िया गांव के रहने वाले कृष्ण दयाल मिश्रा लोडर को भाड़े पर चलवाते हैं। पड़ोस के गांव का सोनू चालक है। कृष्ण ने बताया कि सोमवार देर रात झांसी की शिवपुरी मंडी से लखनऊ के कृष्ण कन्हैया एंड संस ट्रेडर्स का टमाटर लादा, जिसे लखनऊ मंडी लेकर जा रहे थे। गाड़ी सोनू चला रहा था, जबकि वह व उनका साथी शुभम बगल में बैठे थे। कृष्ण के मुताबिक, सुबह करीब पांच बजे प्रताप होटल से आगे बढ़ने पर पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इससे लोडर पलट गया।

### लखनऊ में गंदी हरकतों से परेशान छठी की छात्रा ने पहले स्कूल छोड़ा, अब सुसाइड की कोशिश

**लखनऊ.** राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में ई-रिक्शा चालक की छेड़खानी से तंग छठवीं की छात्रा ने जान देने का प्रयास किया। पिछले चार महीने से लगातार पीछा करने से परेशान छात्रा ने तीन महीने से स्कूल छोड़ दिया। रविवार को आरोपी साथियों संग उसके घर पहुंच गया और किशोरी को साथ ले जाने के लिए दबाव बनाने लगा। परेशान छात्रा ने कमरे में फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। जानकारी होने पर परिजनों ने फंदे से उतारा और अस्पताल पहुंचाया। किशोरी के मौसा ने पारा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी बचपन से ही अपने मौसा के घर रहकर पढ़ाई करती हैं। वह बुद्धेश्वर निवासी आकाश नाम के युवक के ई-रिक्शे से स्कूल जाती थी।

# गडकरी बोले- देश में हिंदू-मुस्लिम समस्या के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

**सेक्युलरिज्म की गलत व्याख्या की; इसका अर्थ धर्मनिरपेक्षता नहीं, सर्व धर्म समभाव है**

**नई दिल्ली.** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा, 'देश में आज भी जो हिंदू-मुस्लिम से जुड़ी समस्याएं दिखती हैं, उनकी वजह कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की सोच और वोट बैंक की राजनीति है। कांग्रेस ने सेक्युलरिज्म की गलत व्याख्या की।'

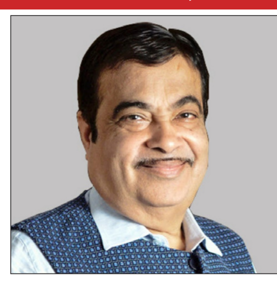

गडकरी के मुताबिक, 'सेक्युलर का अर्थ धर्मनिरपेक्षता या किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं है। इसका सही मतलब 'सर्व धर्म समभाव' होता है, यानी सभी धर्मों को समान सम्मान और सबको न्याय और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार करना है।'

गडकरी दिल्ली में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की किताब 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद थे।

नितिन गडकरी मंगलवार को ही एक अन्य कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा- 'नेशन फर्स्ट' की सोच केवल नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके लिए देश के इतिहास को ईमानदारी से समझना, व्यवस्था की कमियों को पहचानना और भविष्य की क्षमताएं विकसित करना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि आधुनिकीकरण अंधी नकल पर नहीं, बल्कि सभ्यतागत आत्मविश्वास पर आधारित होना चाहिए। इस मौके पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे भी मौजूद थे।

**गडकरी की 2 बड़ी बातें...**

- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान को दोहराते हुए कहा कि भारत पहले भी सेक्युलर था, आज भी है और हमेशा रहेगा। यह बीजेपी-RSS की वजह से नहीं, बल्कि भारतीय, हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है, जो विश्व का कल्याण सिखाती है।
- भारतीय संस्कृति सहिष्णु, करुणामय और सभी को साथ लेकर चलने वाली है और इतिहास में किसी हिंदू राजा द्वारा धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का उदाहरण नहीं मिलता।

# राजस्थान में बॉर्डर के पास बनेगा नया एयरबेस

- **पाकिस्तान के 3 बड़े सुरक्षा ठिकानों पर सेकेंड्स में पहुंच जाएंगे फाइटर जेट**

**श्रीगंगानगर.** राजस्थान से लगते भारत-पाक सीमा पर अब एयरबेस बनने का रास्ता खुल गया है। नए एयरबेस से पाकिस्तान के 3 बड़े एयरबेस तक भारतीय फाइटर जेट जल्दी पहुंच सकते हैं।

नए एयरबेस के लिए सादुलशहर (श्रीगंगानगर) तहसील के आस-पास के क्षेत्र की जमीन के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, अधिग्रहण के विरोध में 58 किसानों और जमीन मालिकों ने याचिका लगाई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) ने 18 दिसंबर को हुई सुनवाई में सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। जस्टिस डॉ. नूपुर भाटी ने फॉरवर्ड कंपोजिट एविएशन बेस (FCAB) के लिए भूमि अधिग्रहण को सही ठहराया है।

हाईकोर्ट के अनुसार - यह रिट याचिका केवल तकनीकी आपत्तियों के सहारे राष्ट्रीय महत्व की रक्षा परियोजना को पटरी से उतारने की कोशिश है। कोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में व्यक्तिगत हितों पर जनहित भारी पड़ता है।

**बॉर्डर से 40 किलोमीटर दूर नए एयरबेस की तैयारी**

नया सादुलशहर एयरबेस केवल पाकिस्तान बॉर्डर से 40 किलोमीटर दूर होगा। श्रीगंगानगर जिले में यह दूसरा एयरफोर्स स्टेशन होगा। इससे पहले सूरतगढ़ एयरफोर्स स्टेशन यहां मौजूद है।

# इसरो ने अमेरिकी सैटेलाइट लॉन्च किया

- **भारत से भेजा गया यह सबसे भारी उपग्रह**
- **धरती पर कहीं से भी वीडियो कॉल कर सकेंगे**

**श्रीहरिकोटा.** आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) ने बुधवार सुबह LVM3-M6 रॉकेट से अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। 6,100 किलोग्राम वजनी ब्लूबर्ड, भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पहले, नवंबर में लॉन्च किया गया LVM3-M5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-03 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसे जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में स्थापित किया गया था।

ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को जिस LVM3-M6 रॉकेट से लॉन्च किया गया, उसका वजन 640 टन है। यह भारत का सबसे भारी लॉन्च व्हीकल है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका मकसद सामान्य स्मार्टफोन तक सीधे हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना है।

इसके जरिए धरती पर कहीं से भी बिना टावर 4G और 5G वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) और अमेरिका स्थित AST स्पेसमोबाइल (AST एंड साइंस, LLC) के बीच हुए एक कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है। न्यूस्पेस इंडिया, ISRO का कॉमर्शियल ब्रांच है।

### अरावली में नए खनन पर पूरी तरह लगाई रोक; राज्यों को निर्देश

**नई दिल्ली.** अरावली पहाड़ियों को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया। केंद्र ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि वह अरावली की पहाड़ियों के संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जैव विविधता के संरक्षण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। अरावली रेंज दिल्ली से गुजरात तक फैली हुई है, जिसको लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। सोशल मीडिया पर भी लोग अरावली को लेकर सरकार का विरोध कर रहे थे। अब अवैध खनन से बचाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्यों को अरावली में किसी भी तरह की नई माइनिंग पर पूरी तरह से रोक लगाने के आदेश दिए।

# अमेरिका को होने लगी भारत की चिंता

- **रिपोर्ट जारी कर किया आगाह**
- **चीन को लेकर क्या दावा?**

एशिया में चीन, रूस और भारत की तिकड़ी को करीब आता देख अमेरिका की धुकधुकी बढ़ने लगी है। इसका ताजा प्रमाण है अमेरिका की नई रिपोर्ट। इस रिपोर्ट में अमेरिका ने भारत को चीन के प्रति आगाह किया है। अमेरिका का कहना है कि चीन भारत के साथ दोहरी रणनीति अपना रहा है और भारत को इसके प्रति सचेत रहने की जरूरत है। रिपोर्ट में इस विषय पर विस्तृत विश्लेषण भी किया गया है।

पेंटागन ने चीन और उससे जुड़े खतरों को लेकर करीब 100 पन्नों की एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में भारत और चीन के संबंधों पर भी चर्चा है। अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक चीन नहीं चाहता कि भारत और अमेरिका के बीच गहरे रणनीतिक संबंध बने। पूरे रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि जहां चीन ने LAC पर शांति बनाए रखने का दिखावा किया है, वहीं अलग-अलग तरीकों से भारत की संप्रभुता पर भी हमला करने की कोशिश की है।

रिपोर्ट में अरुणाचल प्रदेश का जिक्र है। अमेरिका का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश दोनों देशों के बीच एक प्रमुख फ्लैशपॉइंट बना हुआ है, जहां चीन अपना दावा पेश करता है। रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश को ताइवान और दक्षिण चीन सागर जैसी ही श्रेणी में रखकर, चीन सीधे तौर पर भारत की संप्रभुता को चुनौती देता है।

अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ को लेकर भी भारत को आगाह किया है। रिपोर्ट में कहा गया है चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा आर्म सप्लायर बना हुआ है और चीन ने 2020 से पाकिस्तान को 36 J-10C लड़ाकू विमान भेजे हैं, जिससे पाकिस्तान वायु सेना की क्षमता में काफी इजाफा हुई है। इसके अलावा चीन और पाकिस्तान मिलकर JF-17 लड़ाकू विमान भी बना रहे हैं।

# चलती कार में मैनेजर से गैंगरेप

- **CEO, एग्जीक्यूटिव हेड व उसके पति की करतूत कैमरे में रिकॉर्ड**

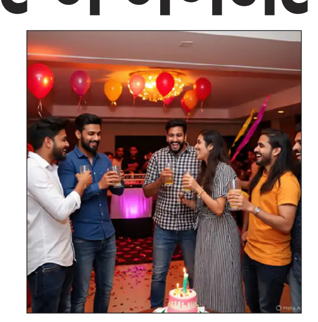

**उदयपुर.** उदयपुर में चलती कार में प्राइवेट IT कंपनी की मैनेजर से गैंगरेप किया गया। बर्थ-डे पार्टी के बाद घर छोड़ने के बहाने वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित युवती ने अपनी ही कंपनी के सीईओ, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसके पति पर ये गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने गैंगरेप की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना सुखेर इलाके में हुई है।

पुलिस के अनुसार, युवती ने बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में मैनेजर है। 20 दिसंबर को कंपनी के सीईओ की बर्थडे और न्यू ईयर पार्टी थी। पार्टी शोभागपुरा स्थित एक होटल में हुई थी। युवती ने बताया कि वह रात करीब 9 बजे होटल पहुंची। वहां कंपनी के सीईओ, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसके पति थे। पार्टी देर रात करीब डेढ़ बजे तक चली। इस दौरान जमकर शराब पी गई।

रात करीब 1:45 बजे युवती को उसी की कार में महिला एग्जीक्यूटिव हेड ने बैठाया। इनके साथ कार में महिला एग्जीक्यूटिव का पति और सीईओ भी थे। तीनों युवती को घर छोड़ने के लिए निकले। रास्ते में एक दुकान से सिगरेट जैसा कुछ खरीदा और युवती को पिलाया। पीते ही वह बेहोश हो गई। कुछ देर बाद उसे थोड़ा होश आया तो सीईओ उनसे छेड़छाड़ कर रहा था। फिर सीईओ, एग्जीक्यूटिव हेड के पति ने उससे रेप किया। बार-बार कहने के बाद तीनों ने सुबह करीब 5 बजे उसे घर छोड़ा। पीड़ित युवती सुबह पूरी तरह होश में आई तो पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी ईयर रिंग, मोजे और अंडर गारमेंट्स नहीं मिले। प्राइवेट पार्ट पर घाव थे।

### फिर सुलगा पश्चिम बंगाल, लाठीचार्ज

**कोलकाता.** पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय यानी हिन्दू समुदाय के दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में बुधवार को पश्चिम बंगाल में भारत–बांग्लादेश सीमा के कई भूमि पत्तनों पर हिंदू समर्थक संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन किए। इन प्रदर्शनों में बाजपा के समर्थक भी शामिल थे, जिनकी कई मौकों पर पुलिस से बिड़ंत हो गई। हावड़ा जिले में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। दोनों पक्षों के बीच, टकराव उस वक्त शुरू हुआ जब पुलिस ने भाजपा के मार्च को हावड़ा पुल तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इससे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस हो गई।

# हम एक दिन में 21 हजार बार सांस लेते हैं, नुकसान का अनुमान लगाइए -दिल्ली हाई कोर्ट

**नई दिल्ली.** दिल्ली में प्रदूषण संकट के बीच हाई कोर्ट ने एयर प्यूरिफायर पर टैक्स कटौती के पक्ष में रुख जाहिर करते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि क्यों एयर इमरजेंसी के दौरान भी 18 पर्सेंट टैक्स लग रहा है? अदालत ने केंद्र सरकार को यह भी बताने को कहा है कि क्यों तुरंत टैक्स में कटौती नहीं की जा सकती है। हाई कोर्ट ने प्रदूषण की वजह से आम लोगों को हो रही समस्याओं की ओर ध्यान खींचते हुए कहा, 'हम एक दिन में 21 हजार बार सांस लेते हैं। नुकसान की गणना कीजिए।'

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें एयर प्यूरिफायर को मेडिकल डिवाइस की श्रेणी में रखने की मांग की गई है जिससे यह 5 फीसदी जीएसटी स्लैब के दायरे में आ जाएगा। इस पर जवाब के लिए केंद्र सरकार से और समय की मांग किए जाने पर बेंच ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'यह उचित समय क्या होता है? जब हजारों लोग मर जाएंगे? इस शहर के हर व्यक्ति को साफ हवा की आवश्यकता है और आप यह भी नहीं दे सकते हैं। कम से कम आप इतना कर सकते हैं कि एयर प्यूरिफायर तक उनकी पहुंच हो।'

**'तुरंत सरकार से पूछकर बताएं प्रस्ताव'**

जजों ने तात्कालिक राहत की संभावनाओं पर भी सवाल किए। अदालत ने कहा, 'इस आपातकालीन स्थिति में आप राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अस्थायी कदम के तौर पर इसमें छूट क्यों नहीं दे सकते हैं।' बेंच ने सरकारी वकील से इस पर निर्देश लेने और प्रस्ताव को अदात में 2.30 के बाद रखने को कहा। पीआईएल को अधिवक्ता कपिल मदान ने दायर की और अदालत से आग्रह किया है कि केंद्र सरकार को एयर प्यूरिफायर को मेडिकल डिवाइस का दर्जा देने का निर्देश दिया जाए। एयर प्यूरिफायर पर मौजूदा समय में 18 पर्सेंट जीएसटी लगाया जाता है।

# वैभव सूर्यवंशी ने 39 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

- **लिस्ट-ए के सबसे युवा सेंचुरियन**
- **ईशान ने 33 और साकिबुल ने 32 बॉल पर सेंचुरी लगाई**

विजय हजारे ट्रॉफी का पहला दिन युवा बल्लेबाजों के नाम रहा। वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 36 गेंदों में शतक लगाया। जबकि, बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने 32 बॉल और झारखंड से ईशान किशन ने 33 बॉल पर शतक लगाया।

14 साल के वैभव लिस्ट-A क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। बिहार की ओर से खेलते हुए वैभव ने पाकिस्तान के जहूर इलाही का 39 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जहूर इलाही ने साल 1986 में विल्स कप के दौरान पाकिस्तान ऑटोमोबाइल्स की ओर से खेलते हुए रेलवे के खिलाफ लिस्ट-A क्रिकेट में शतक जड़ा था। तब उनकी उम्र सिर्फ 15 साल 209 दिन थी। वैभव ने 14 साल 272 दिन की उम्र में शतक ठोक सबसे कम उम्र में शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

**साकिबुल गनी ने 32 गेंदों में शतक जड़ा**

भारतीय बल्लेबाजों की ओर से लिस्ट-A क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अब बिहार के कप्तान साकिबुल गनी के नाम हो गया है। उन्होंने आज सिर्फ 32 गेंदों में शतक लगाकर नया इतिहास रच दिया। इस सूची में दूसरे स्थान पर अब ईशान किशन आ गए हैं, जिन्होंने झारखंड की ओर से कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंदों में सेंचुरी ठोकी।

इससे पहले यह रिकॉर्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम था, जिन्होंने 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक जड़कर इस खास सूची में अपना नाम दर्ज करा

# बिड़ला महाविद्यालय में एम पावर यूथोपिया का भव्य आयोजन

**कल्याण.** बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालयीन महोत्सव 'बिर्लोत्सव' के अंतर्गत, आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की पहल एमपावर के सहयोग से 'एमपावर यूथोपिया' का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय उत्सव युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें मुंबई एवं आसपास के महाविद्यालयों से 6,000 से अधिक छात्रों ने सहभागिता की। इस अवसर पर एमपावर एवं आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की संस्थापक एवं अध्यक्ष, श्रीमती नीरजा बिरला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में स्थापित विशेष मानसिक स्वास्थ्य इंस्टॉलेशन का उद्घाटन किया। यह इंस्टॉलेशन छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता, सहानुभूति और सहायता तक पहुँच को प्रोत्साहित करने वाला एक स्थायी मंच के रूप में कार्य करेगा।

एमपावर यूथोपिया के अंतर्गत 900 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ सबसे बड़ी छात्र-संचालित 'मूड परेड' के लिए ऑफिशियल वर्ल्ड रिकॉर्ड एसोसिएशन के समक्ष विश्व रिकॉर्ड का प्रयास किया जाएगा। यह परेड मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से युवाओं की सामूहिक भागीदारी का एक सशक्त उदाहरण होगी। एमपावर, एवं बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के बीच निरंतर सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय परिसर में संचालित मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण सेल ने अपने पाँच वर्ष पूर्ण किए हैं। इस अवधि में यह केंद्र 861 से अधिक लाभार्थियों को 14,476 से अधिक काउंसलिंग सत्रों के माध्यम से सहायता प्रदान कर चुका है। ठाणे जिले में यह एकमात्र महाविद्यालय है जहाँ छात्रों को मुफ़्त रूप से एक ही छत के नीचे पाँच एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ — मनोवैज्ञानिक परामर्श, मनोरोग परामर्श, स्पीच थेरेपी, उपचारात्मक (रिमेडियल) थेरेपी एवं ऑक्यूपेशनल थेरेपी — उपलब्ध कराई जाती हैं।

यह सेवाएँ छात्रों में आमतौर पर देखी जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे चिंता एवं तनाव, अवसाद, पारिवारिक व संबंधों से जुड़ी समस्याएँ, एडीएचडी, आत्म-हीनता, नशे से संबंधित समस्याएँ तथा वित्तीय तनाव आदि के समाधान में सहायक हैं, और एक सुलभ, पेशेवर एवं कलंक-मुक्त मॉडल प्रस्तुत करती हैं।

यूथोपिया के दौरान पैनल चर्चाएँ, ओपन टॉक सर्कल, कला, कविता, थिएटर एवं संगीत पर आधारित रचनात्मक कार्यशालाएँ, माइंडफुलनेस एवं वेलनेस ज़ोन, पीयर-सपोर्ट बूथ, तथा छात्रों द्वारा अपने विचार एवं सकारात्मक संदेश साझा करने के लिए 'होप वॉल' जैसी अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी एवं सहयोगात्मक वातावरण निर्मित करना था

कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बनाते हुए, बिर्लोत्सव के मंच पर लोकप्रिय भारतीय बॉय बैंड 9Teen की विशेष प्रस्तुति भी आयोजित की गई, जिसने संगीत और रचनात्मकता के माध्यम से आशा, सशक्तिकरण और मानसिक मजबूती का संदेश दिया।

महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ. आर. चितलांगे ने कहा, "हम छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को गहराई से समझते हैं, विशेषकर उस समय जब वे किशोरावस्था और युवावस्था के विभिन्न दबावों का सामना कर रहे होते हैं। एमपावर यूथोपिया का उद्देश्य न केवल जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि संवाद, अभिव्यक्ति और सहयोग के ऐसे मंच तैयार करना है जहाँ युवा स्वयं को सुरक्षित और समर्थ महसूस कर सकें।"

श्रीमती नीरजा बिरला के दूरदर्शी नेतृत्व में, वर्ष 2016 में स्थापित एमपावर आज भारत में मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सशक्त आंदोलन बन चुका है। वर्तमान में यह पहल मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, दिल्ली और पुणे सहित सात शहरों में 200 से अधिक प्रशिक्षित विशेषज्ञों के साथ सक्रिय है तथा 24x7 बहुभाषी हेल्पलाइन के माध्यम से युवाओं को निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है।

बिर्लोत्सव में एमपावर यूथोपिया की सफलता के बाद, भविष्य में इस मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता उत्सव को देशभर के अन्य महाविद्यालयों तक विस्तारित करने की योजना है, ताकि हर युवा स्वयं को सुना हुआ, समर्थ और सशक्त महसूस कर सके।

# तो बांग्लादेश लौट रहे अगले प्रधानमंत्री?

- **17 साल लंदन में रहे**
- **अब 50 लाख लोग करने जा रहे स्वागत**

**ढाका.** मोहम्मद यूनुस राज में बांग्लादेश में हालात खराब हो चुके हैं। अब सभी को अगले साल फरवरी में होने वाले आम चुनाव का इंतजार है, जिसके बाद पड़ोसी देश को नई सरकार मिलेगी। इसी चुनाव के लिए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल के बाद बांग्लादेश वापस लौट रहे हैं। उनका स्वागत करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता जुट गए हैं। बीएनपी का लक्ष्य लंदन से 17 साल बाद लौट रहे रहमान के लिए आयोजित रैली में 50 लाख लोगों को इकट्ठा करने का है। यह शक्ति प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, रहमान फरवरी में होने वाले चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए एक प्रमुख और मजबूत दावेदार के रूप में रहमान उभर रहे हैं। 60 साल के रहमान, लंबे समय से बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं और पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष हैं। कई राजनैतिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि आम चुनाव में बीएनपी सबसे आगे रहने वाली है। लंदन से रहमान की वापसी ऐसे समय हो रही है, जब पिछले साल छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह में उनकी कट्टर दुश्मन, लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद उनकी बीएनपी पार्टी का दबदबा बढ़ रहा है। संक्षिप्त अंतरिम सरकारों को छोड़कर, 1991 से खालिदा जिया और शेख हसीना बारी-बारी से सत्ता में रही हैं। अमेरिका के इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट के दिसंबर के एक सर्वे से पता चलता है कि बीएनपी सबसे ज्यादा संसदीय सीटें जीतने की राह पर है। वहीं, इस रेस में इस्लामी जमात-ए-इस्लामी पार्टी भी है। हसीना की अवामी लीग पार्टी, जिसे चुनाव से रोक दिया गया है, ने अशांति फैलाने की धमकी दी है, जिससे कुछ लोगों को डर है कि यह वोटिंग को खतरे में डाल सकता है। रहमान का लौटने का फैसला राजनीतिक घटनाक्रम और निजी परिस्थितियों दोनों के कारण है। उनकी मां कई महीनों से गंभीर रूप से बीमार हैं, जिसके कारण पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार उन्हें तुरंत घर लौटना पड़ा।

# सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बैंकर पत्नी को मारी गोली

- **पिस्टल लेकर थाने पहुंचकर किया सरेंडर**

**बेंगलुरु.** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मंगलवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक 40 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी अलग रह रही पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद खुद पिस्तौल लेकर थाने पहुंचा, अपराध कबूल किया और आत्मसमर्पण कर दिया। मृतका की पहचान भुवनेश्वरी के रूप में हुई है, जो यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बसवेश्वरनगर शाखा में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत थीं। आरोपी पति बालमुरुगन एक आईटी कंपनी कैपजेमिनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करता है। दोनों की शादी वर्ष 2011 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 6.30 बजे बालमुरुगन ने उस समय अपनी पत्नी पर गोलियां चलाईं, जब वह ऑफिस से घर लौट रही थीं। गोली लगने से भुवनेश्वरी की मौके पर ही मौत हो गई।

## संक्षेप...

### शातिर चेन स्नेचर लगे पुलिस के हाथ

**ठाणे.** ठाणे शहर पुलिस ने ठाणे व नवी मुंबई में सोने की चेन झपट कर भाग जाने वाले शातिर चेन झपटमारों को गिरफ्तार किया है. इनकी गिरफ्तारी से सोने की चेन झपटमारी के कुल 7 मामलों का पर्दाफाश हुआ है.

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों के पास 14.16 लाख रुपये मूल्य के 118 ग्राम वजन वाले स्वर्ण आभूषण एवं एक स्कूटर जब्त किया. इन दोनों की संलिप्तता वाली ताजा घटना चार दिसंबर को हुई, जिसमें ठाणे के राबोडी इलाके में स्कूटर चला रही 65 वर्षीय महिला का सोने का मंगलसूत्र छीन लिया गया था. इसके बाद राबोडी थाने में इस संबंध में मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू की गई. विस्तृत विश्लेषण के बाद ठाणे स्थित अपराध शाखा इकाई-1 ने आखिरकार संदिग्धों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

# 20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन

- कहा- हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे
- 29 महानगर पालिका चुनाव में 15 जनवरी को मतदान

**मुंबई.** उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है।

इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र में BMC समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा।

### उद्धव-राज ठाकरे की स्पीच, 2 बड़ी बातें...

**राज ठाकरे बोले-** मुंबई का मेयर मराठी होगाः मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा।

**उद्धव ठाकरे बोले-** बंटेंगे तो हम सब बिखर जाएंगेः मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोड़ें।

# अंबरनाथ में बंधुआ मजदूरों की रिहाई

- ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की स्पेशल टीम ने की कार्रवाई

**अंबरनाथ.** 21वीं सदी में भी बंधुआ मजदूरी सिस्टम मौजूद होने की चौंकाने वाली सच्चाई अंबरनाथ में सामने आई है। ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के नेतृत्व में NALSA (नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) स्कीम के तहत ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की स्पेशल टीम द्वारा की गई कार्रवाई में, अंबरनाथ वेस्ट में मेसर्स शक्ति फूड इंडस्ट्रीज कंपनी में काम करने वाले 10 प्रवासियों को बंधुआ मजदूरी के चंगुल से सुरक्षित रूप से रिहा कराया गया है. यह जानकारी डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की स्पेशल टीम की सदस्य एड. तृप्ति पाटिल ने दी।

17 दिसंबर को, उत्तर प्रदेश के रहने वाले कमलेश फुन्नन बनवासी का मामला तब सामने आया जब एक बंधुआ मजदूर ने खुद को आजाद कर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी से संपर्क किया। जिलाधिकारी डा. पांचाल ने तुरन्त गम्भीरता से लेते हुए सभी सम्बन्धित विभागों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उनकी तत्परता के कारण राजस्व, पुलिस एवं श्रम विभाग से समन्वय कर तत्काल कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

उत्तर प्रदेश के भदोही, जौनपुर आदि जनपदों से 1. सिंटू विनोद बनवासी, उम्र 18 वर्ष 2. चन्दू हरि बनवासी, उम्र 40 वर्ष 3. संजय डॉक्टर बनवासी, उम्र 22 वर्ष 4. कल्लू बनवासी 5. सूरज बनवासी 6. संजय खिल्लारी बनवासी, उम्र 19 वर्ष 7. सुरेश बनवासी 8. सुकुद विजय 9. सुखी पन्ना 10. विजय कुमार श्रीराम को ठेकेदार निक्की उर्फ कृष्ण कुमार अग्रहरि एवं नितिन तिवारी ने अंबरनाथ पश्चिम में शक्ति फ़ूड इंडस्ट्रीज कंपनी ने उन्हें एक अच्छी कंपनी में 18 से 20 हज़ार की नौकरी और रहने और खाने का इंतज़ाम करने का वादा किया था। लेकिन असल में, उन्हें बहुत ज़्यादा मेहनत, भूखे पेट काम करना, खाने का ठीक से इंतज़ाम न होना, मारपीट और मज़दूरी न मिलना जैसी अमानवीय स्थितियों का सामना करना पड़ता था। इन मज़दूरों को एक छोटे से कमरे में बंद करके रखा जाता था। रात में कमरे को बाहर से बंद कर दिया जाता था और सुबह उन्हें काम पर वापस ले जाया जाता था। उनके मोबाइल फ़ोन ज़ब्त कर लिए गए थे और उनके रिश्तेदारों से उनका संपर्क काट दिया गया था। जांच में पता चला कि यह सब सोच-समझकर और प्लान के साथ किया गया था।

जिला कलेक्टर डॉ. पांचाल के निर्देशानुसार, निवासी उप जिला कलेक्टर डॉ. संदीप माने के मार्गदर्शन में, अंबरनाथ तहसीलदार अमित पुरी, सर्किल ऑफिसर श्री सागवे, लेबर डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर संभाजी वहनालकर, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर अनघा क्षीरसागर की प्रतिनिधि रजनी भोर और उनके दूसरे साथियों के साथ-साथ सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शब्बीर सैय्यद की एक टीम तैनात की गई थी। यह जॉइंट ऑपरेशन देर रात तक चलता रहा और सुबह 5 बजे अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। इस ऑपरेशन में 10 बंधुआ मज़दूरों को रिहा कराया गया और दो कॉन्ट्रैक्टर को भी गिरफ्तार किया गया।

# ठाणे मनपा में बुधवार को एक उम्मीदवार ने जमा किया फार्म

- दो दिनों में 2070 नामांकन वितरित

**ठाणे.** ठाणे महानगर पालिका के कुल 131 सीटों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार बड़ी संख्या में नामांकन पत्र ले रहे है. लेकिन जमा करने में जल्दबाज़ी नहीं दिख रही है. नामांकन पत्र दाखिल करने के दूसरे दिन भले ही एक उम्मीदवार ने पर्चा भरा लेकिन ठाणे मनपा के 9 प्रशासनिक वार्डों से दूसरे दिन 1001 नामांकन पत्र वितरित किए गए हैं. इस तरह दो दिनों में 2070 नामांकन वितरित किए गए हैं.

ठाणे मनपा के चुनाव 15 जनवरी को होने हैं. इस चुनाव की तैयारी मनपा का चुनाव विभाग कर रहा है. साथ ही, राज्य चुनाव आयोग ने इलेक्शन प्रोग्राम बना लिया है और उसी के हिसाब से मनपा चुनाव कार्यक्रम लागू कर रही है. इसी के तहत, मनपा के चुनाव विभाग ने मंगलवार से उम्मीदवारों को नॉमिनेशन पेपर देने और लेने का प्रोसेस शुरू कर दिया. यह प्रोसेस 30 दिसंबर तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा. जिसमें गुरुवार, 25 दिसंबर और रविवार, 28 दिसंबर (पब्लिक हॉलिडे) शामिल नहीं हैं. नुधवार को वागले इस्टेट प्रभाग समिति में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में संजय रजनीकांत पंड्या ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया.

# केडीएमसी में पारदर्शी प्रशासन के लिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताएं

- कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की कार्यकर्ताओं से अपील

**कल्याण.** मंगलवार को कल्याण पूर्व में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में भी पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए आने वाला चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। चव्हाण ने भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील करते हुए कार्यकर्ताओं को ₹पार्लियामेंट टू पंचायत – शत प्रतिशत भाजपा" के नारे की भी याद दिलाई। इस सम्मेलन में पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटिल, जिलाध्यक्ष नंदू परब, कल्याण-डोंबिवली चुनाव प्रमुख नाना सूर्यवंशी, विधायक सुलभा गायकवाड़, जिला उपाध्यक्ष मनोज राय, अंबरनाथ की नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष तेजश्री करुंजले पाटिल, शशिकांत कांबले सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल्याण पूर्व के 100 फुट रोड परिसर में आयोजित इस कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में बोलते हुए रविंद्र चव्हाण ने चुनाव में भाजपा को ही क्यों चुना जाना चाहिए, इस पर जोर देते हुए कल्याण पूर्व की नागरिक समस्याओं पर भी प्रकाश डाला।

कल्याण पूर्व का क्षेत्र अत्यंत घनी आबादी वाला है, और स्वयं का पक्का घर बनाना यहां के नागरिकों का कई वर्षों पुराना सपना है। इस सपने को साकार करने के लिए महायुति के माध्यम से एसआरए जैसी योजनाओं और नीतिगत निर्णयों की आवश्यकता है। साथ ही 24 घंटे जलापूर्ति, चौड़ी सड़कें, प्रमुख मार्गों से इस क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को चव्हाण ने अपने भाषण में रेखांकित करते हुए भाजपा को वोट देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जब हम "पार्लियामेंट टू पंचायत – शत प्रतिशत भाजपा" के नारे पर विचार करते हैं, तब केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे पारदर्शी प्रशासन को देखते हुए क ल्य ाण - ड ोंबिव ल ी महानगरपालिका में भी पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए 15 तारीख को होने वाला चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस चुनाव में जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार खड़े हैं, वहां कमल के चुनाव चिह्न के सामने वाला बटन दबाकर भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील भी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने की।

# BBRT इंटरनेशनल स्कूल के 'स्पेक्ट्रा 2025–26' में भव्य प्रदर्शन

- कोंकण विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी की उपस्थिति

**कल्याण.** बीबीआरटी इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 'स्पेक्ट्रा 2025–26' का भव्य और गरिमामय आयोजन मंगलवार २२ व बुधवार २३ दिसम्बर को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास मंच पर जीवंत रूप में देखने को मिला।

उत्सव के पहले दिन 'मुंबई मेरी जान' थीम के अंतर्गत नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। रंग-बिरंगे परिधानों, लयबद्ध नृत्य और मासूम भाव के माध्यम से बच्चों ने मुंबई की विविधता, जीवंतता और आत्मा को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। उनकी मुस्कान, ऊर्जा और आत्मविश्वास ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं दूसरे दिन 'उड़ानः बॉर्न टू ड्रीम्स' थीम पर आधारित कार्यक्रम में कक्षा तीसरी से कक्षा नौवीं तक के विद्यार्थियों ने अपने हुनर का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। नृत्य, नाट्य प्रस्तुति और सशक्त कहानी-वाचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने सपनों, संघर्ष, आत्मविश्वास और लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। यह प्रस्तुति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाती नज़र आई।

कार्यक्रम के दूसरे एवं समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में कोंकण विभाग के विभागीय आयुक्त आईएएस डॉ. विजय सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही विश्वास गुजर (एसडीओ, कल्याण), विकास गरुड़कर (तहसीलदार, कल्याण) तथा कर्नल शंकरराव यादव (सेवानिवृत्त), कमांडेंट, मिलिट्री स्कूल, खडावली–कल्याण की भी विशेष उपस्थिति रही।उपस्थित अतिथियों के हाथों शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अकादमिक टॉपर्स, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' सहित विभिन्न पुरस्कारों के विजेता विद्यार्थियों और उनके परिजनों को ट्रॉफी, मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उत्साहवर्धन एवं हौसला-अफ़ज़ाई की गई।

अपने संबोधन में कोंकण विभागीय आयुक्त आईएएस डॉ. विजय सूर्यवंशी ने बीबीआरटी इंटरनेशनल स्कूल के साथ अपने जुड़ाव का स्मरण करते हुए कहा कि विद्यालय के उद्घाटन अवसर पर भी वे उपस्थित थे और आज यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि स्कूल ने सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि बीबीआरटी इंटरनेशनल स्कूल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके सभी ट्रस्टी स्वयं शिक्षा क्षेत्र की मजबूत पृष्ठभूमि से आते हैं और प्रत्येक के पास 35 वर्षों से अधिक का अध्यापन अनुभव है। यही अनुभव वे विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए समर्पित कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है।

सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय के संस्थापक एवं ट्रस्टी डॉ. लाल तनवानी, डॉ. गुणवंत बंगाले, डॉ. नरेश भाटिया, यश रावलानी एवं प्रतीक रावलानी द्वारा किया गया। दोनों दिन के कार्यक्रमों ने अनुशासन, टीमवर्क और समग्र शिक्षा के मूल्यों को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। 'स्पेक्ट्रा 2025–26' बीबीआरटी इंटरनेशनल स्कूल के लिए ही नहीं, बल्कि उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों के लिए भी एक यादगार एवं प्रेरणादायी आयोजन बनकर उभरा।

# ग्लोबल इंटरनेशनल हाई स्कूल एवं कॉलेज में 5 दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन

**खेल शारीरिक विकास, अनुशासन, और आत्मविश्वास भी बढ़ाता है -प्राचार्य सुधीर घागस**

**भिवंडी.** ग्लोबल इंटरनेशनल हाई स्कूल एवं कॉलेज में 5 दिवसीय भव्य खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया. खेल महोत्सव में कक्षा 1 से लेकर डिग्री कॉलेज तक के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के रूप में उभा.सेवा संस्थाध्यक्ष कृष्ण गोपाल सिंह उपस्थित रहकर छात्र छात्राओं की हौंसला अफजाई की. कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक सुधीर घागस, पंकज पर्दे, उद्योगपति आनंद गुप्ता तथा रामदास की प्रमुख उपस्थिति रही. शिक्षण संस्था सचिव पंकज मिश्रा, प्रधानाचार्य प्रीति मिश्रा, नाजो मोमिन, सविता होसचान्दानी सहित तमाम शिक्षकों ने कार्यक्रम को मजबूती देने का अहम रोल निभाया. खेल आयोजन की जिम्मेदारी खेल शिक्षक राजेश एवं इंचार्ज सुमित झा ने सफलतापूर्वक निभाई. खेल महोत्सव के दौरान खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, बास्केटबॉल, लगड़ी, बुक बैलेंस, दौड़, लेमन रेस, टग ऑफ वार, रेस विद चेयर सहित अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.प्रतियोगिताओं में विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया.

# आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

- शक्ति कपूर का दावा

श्रद्धा कपूर की फैन फॉलोइंग बहुत ज्यादा है। वह कम फिल्में करती हैं, लेकिन उनकी डिमांड काफी ज्यादा है। यही कारण है कि उनकी फीस भी बाकी एक्ट्रेसेस से ज्यादा है। ये बात हम नहीं कह रहे हैं। ये बात उनके पिता और दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर ने कही है। उन्होंने आलिया भट्ट और अनन्या पांडे का नाम लेकर कहा कि उनकी बेटी की फीस इन दोनों एक्ट्रेसेस से ज्यादा है।

- श्रद्धा को नहीं मिल रहा है काम?

पॉडकास्ट के दौरान शक्ति कपूर को बताया गया कि ऐसी अफवाहें हैं कि श्रद्धा को काम नहीं मिल रहा है। ये सुनकर शक्ति कपूर हंस दिए और बोले, "उसे काम नहीं मिल रहा है? उसकी बहुत डिमांड है, लेकिन वो अपनी मर्जी से साल में एक या दो फिल्में करती है।"

- पढ़िए शक्ति कपूर का पूरा बयान

जी हां, शक्ति कपूर ने 'द पावरफुल ह्यूमन्स' को दिए पॉडकास्ट में कहा, "वह बहुत कम फिल्में करती है। वह सबसे अच्छी फिल्में चुनती है और अपनी अन्य एक्ट्रेसेस से ज्यादा फीस लेती है।" उन्होंने फिर आलिया भट्ट और अनन्या पांडे का जिक्र करते हुए कहा, "वह इन एक्ट्रेस से भी ज्यादा फीस लेती है।"

# विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस में किया प्रवेश

**कल्याण–** महापालिका चुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनाव को देखते हुए शिवसेना और भाजपा के अलावा विरोधी दल कांग्रेस में भी ₹इनकमिंग₹ देखने को मिल रही है। हाल ही में भाजपा और शिंदे सेना के पदाधिकारियों ने कांग्रेस में प्रवेश किया था। इसी क्रम में बुधवार को एमएनएस, शरद पवार गुट और भाजपा पदाधिकारियों ने कांग्रेस में प्रवेश किया है। एमएनएस के शाखा प्रमुख मोहन गुप्ता, एनसीपी शरद पवार गुट के मोगीस खान सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के हाथ से हाथ मिलाया। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव ब्रिज दत्त, प्रभारी राजन भोसले, जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर, युवक जिलाध्यक्ष जपजीत सिंह माटा (बॉबी), अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सलीम शेख, रत्नप्रभा म्हात्रे, ब्लॉक अध्यक्ष चेतन भंडारी आदि कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

पक्ष प्रवेश के उपरांत जिलाध्यक्ष राजभाऊ पातकर ने कहा कि विभिन्न दलों के कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा को अपनाकर पार्टी में प्रवेश कर रहे हैं। पातकर ने गठबंधन को लेकर कहा कि आघाडी के लिए कांग्रेस ने हाथ आगे बढ़ाया है, लेकिन अगर किसी कारण से गठबंधन नहीं हुआ तो केडीएमसी के 122 प्रभागों में चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस सक्षम है।

# मुंबई के खराब AQI पर 20 जनवरी को अगली सुनवाई

- शहर में धड़ाधड़ निर्माण पर कोर्ट ने जताई चिंता

**मुंबई.** बॉम्बे हाई कोर्ट ने AQI और प्रदूषण मामलों की सुनवाई में BMC की कार्यशैली को कड़ी फटकार लगाई. कोर्ट ने देखा कि शहर के 30 AQI मापने वाले स्टेशनों में से कई का डेटा नहीं दिखा, जबकि BMC ने इसे नेटवर्क समस्या बताया.

चुनावी ड्यूटी और स्वास्थ्य प्राथमिकता पर भी कोर्ट ने सवाल उठाए और कहा कि BMC को चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखना चाहिए था. कोर्ट ने BMC की निगरानी योजना, 91 स्क्वॉड और साइट विजिट पर सवाल खड़े किए और कहा कि हर स्क्वॉड को दिन में कम से कम चार साइट्स का दौरा करना चाहिए.

नवी मुंबई में 52 नए AQI स्टेशन लगाने की योजना पर भी चर्चा हुई. निर्माण की इजाजत और मजदूरों की सुरक्षा पर भी कोर्ट ने ठोस प्रस्ताव पेश करने को कहा. कोर्ट ने सुनवाई में BMC को आगामी दो हफ्तों के लिए ठोस योजना पेश करने की चेतावनी दी.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099